नाम................................. **पृष्ठों की कुल संख्या- 5**

अनुक्रमांक...........................

103 301(ZO)

2025

संस्कृत

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] **[पूर्णांक :100**

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. अधोलिखित गद्य-खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए: ***5×2=10***

"कुमार ! शेषनामा हारोऽयं, भगवता अम्भसां पत्या गृहम् उपगताय प्रचेतसे दत्तः। पाशभृतापि गन्धर्वराजाय, गन्धर्वराजेनापि कादम्बर्टी, तथापि त्वद्वपुः अस्य अनुरूपमिति विभावयन्त्या अनुप्रेषितः। अतः अर्हति इयम् बहुमान त्वत्तः महाश्वेतयापि कुमारस्य संदिष्टम् न खलु महाभागेन मनसापि कार्यः कादम्बर्याः प्रथमप्रणयभङ्गः" इति उक्त्वा तं तस्य वक्षःस्थले बबन्ध। चन्द्रापीडस्तु, विस्मयमानः प्रत्यवादीत् "मदलेखे, निपुणासि। जानासि ग्राहयितुम्। उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या कृतं वचसि कौशलम्' इत्युक्त्वा कादम्बरीसंवद्धाभिरेव कथाभिः सुचिरं स्थित्वा, विसर्जयां वभूव मदलेखाम्।"

(i) उपर्युक्त गद्यांशस्य पुस्तकस्य लेखकस्य च नाम लिखतु।

(ii) हारस्य किं नाम अस्ति?

(iii) भगवता अम्भसां पत्या गृहम् उपगताय हारं कस्मै दत्तः?

(iv) चित्ररथः हारं कस्यै दत्तः?

(v) "उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या कृतं वचसि कौशलम्।" रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

अथवा

आसाद्य कादम्बरीभवनद्वारम्, अवतीर्य द्वारपालार्पिततुरङ्गः कादम्बरी, प्रथमदर्शनकुतूहलिन्या पत्रलेखया अनुगम्यमानः, प्रविश्य, "क्व देवी कादम्बरी तिष्ठति?" इति संमुखागतम् अन्यतमं वर्षवरम् अप्राक्षीत्। कृतप्रणामेन च तेन "देव क्रीडापर्वतस्य अधस्तात् कमलवनदीर्घिकातीरे विरचितं हिमगृहम् अध्यास्ते' इत्यावेदिते केयूरकेण उपदिश्यमानवर्मा, हिमगृहस्य मध्यभागम् आससाद्। तस्य च एकदेशे सखीकदम्बक परिवृताम्, मृणालदण्डमण्डपिकायाः तले कुसुमशयनम् अधिशयानां कादम्बरीं व्यलोकयत्।

(i) उपर्युक्त गद्यांश की पुस्तक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) चन्द्रापीडः कुत्र आसीदत् ?

(iii) चन्द्रापीडः संमुखागतम् अन्यतमं वर्षवरं किम् अप्राक्षीत् ?

(iv) चन्द्रापीडः कुत्र आससाद् ?

(v) "देव क्रीडापर्वतस्य अधस्तात् कमलवनदीर्घिकातीरे विरचितं हिमग्रहम् अध्यास्ते:"
रेखांकित अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए

2. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र चित्रण कीजिये – 4
(अधिकतम 100 शब्द)

(i) शूद्रक
(ii) पुण्डरीक
(iii) महाश्वेता

3. "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।(अधिकतम 100 शब्द) 4

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) "गन्धर्वराजपुत्री' का आसीत् ? 1

(i) तरलिका (ii) मदलेखा
(iii) पत्रलेखा (iv) कादम्बरी

(ख) कस्याः सन्देशः धन्या खलु ते येषां न गतोऽपि। चक्षुषोर्विषयम्? 1

(i) महाश्वेतायाः (ii) तरलिकायाः
(iii) मदलेखायाः (iv) केयूरकस्य।

5. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : 2+5=7

(क) मान्यः स मे स्थावरजङ्गमानां
सर्गस्थितिप्रत्यवहार हेतुः।
गुरोरपीदं धनमाहिताग्ने –
र्नश्यत्पुरस्तादनुपेक्षणीयम् ।।

अथवा

(ख) भूतानुकम्पा तव चेदियं गौ –
रेका भवेत्स्वस्तिमती त्वदन्ते।
जीवन्पुनः शश्वदुपप्लवेभ्यः
प्रजाः प्रजानाथ ! पितेव पासि ।।

6. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए: 2+5=7

(क) इति प्रगल्भं पुरुषाधिराजो
मृगाधिराजस्य वचो निशम्य।
प्रत्याहतास्त्रो गिरिशप्रभावा –
दात्मन्यवज्ञां शिथिलीचकार ।।

अथवा

(ख) भक्त्या गुरौ मय्यनुकम्पया च
प्रीतास्मि ते पुत्र ! वरं वृणीष्व ।
न केवलानां पयसां प्रसूति –
मवेहि मां कामदुधां प्रसन्नाम् ।।

7. "उपमा कालिदासस्य" पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

8. अधोलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए:

(क) नन्दिनी कस्य धेनुः अस्ति? 1

(i) दिलीपस्य (ii) रघोः
(iii) वशिष्ठस्य (iv) दशरथस्य

(ख) कान्तवपुः कः? 1

(i) रघुः (ii) अजः
(iii) दिलीपः (iv) जनकः

9. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए: 2+5=7

(क) संकल्पितं प्रथमेव मया तवार्थे,
भर्तारमात्मसदृशं सुकृतैर्गता त्वम् ।
चूतेन संश्रितवती नवमालिकेय-
मस्यामहं त्वयि च सम्प्रति वीतचिन्तः ।।

अथवा

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्र
त्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ।।

10. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए: 2+5=7

(i) शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः।
(ii) न खलु धीमताम् कश्चिदविषयो नाम।
(iii) वनौकसोऽपि सन्तो लौकिकज्ञा वयम्।

11. शकुन्तला या अनुसूया का 100 शब्दों में हिन्दी में चरित्र-चित्रण कीजिए। 4
(अधिकतम 100 शब्द)

12. अधोलिखित में से सही उत्तर के विकल्प चुनिए:

(क) कालिदासस्य प्रसिद्धोऽलङ्कारोऽस्ति 1

(i) अथर्थान्तरन्यासः (ii) श्लेषः
(iii) उपमा (iv) रूपकम्

(ख) संकल्पितं प्रथममेव मया तवार्थे .... इति श्लोकः केन कथितः? 1

(i) अनसूयया (ii) गौतम्या

(iii) काश्यपेन (iv) दुष्यन्तेन ।

13. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए: **10**

(i) सत्सङ्गतिः

(ii) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

(iii) विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्

(iv) अस्माकं विद्यालयः ।

14. उपमा अथवा रूपक अलङ्कार संस्कृत में सोदाहरण लक्षण लिखिए। **2**

15. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: **4×2=8**

(i) राम ने बाण से बालि को मारा।

(ii) लड़कों ने नाटक देखा।

(iii) लंका के चारों ओर समुद्र है।

(iv) तुम लोग परिश्रम से पढ़ो।

(v) दुष्टों के साथ विवाद मत करो।

(vi) वे पुस्तकालय से पुस्तक लाते हैं।

(vii) तालाब में कमल पैदा होते हैं।

16. (क) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में विभक्ति सम्बन्धी नियम-निर्देश का उल्लेख कीजिए : **2**

(i) बालकः हस्ताभ्याम् लिखति।

(ii) सः अध्यापकेन सह गृहं गमिष्यति।

(iii) कपिः वृक्षम् आरोहति ।

(iv) राजा निर्धनाय वस्त्रं ददाति ।

(ख) "अशोकः वृक्षात् अवतरति" वाक्य में 'वृक्षात्' पद में विभक्ति है 1

(i) द्वितीया, एकवचन (ii) प्रथमा, एकवचन

(iii) पञ्चमी, एकवचन (iv) चतुर्थी, एकवचन।

17. (क) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद का समास-विग्रह कीजिए: 2

(i) उपकृष्णम् (ii) सीतारामौ। (iii) पञ्चवटी

(ख) 'प्रतिदिशम्' में समास है **1**

(i) तत्पुरुष (ii) अव्ययीभाव

(iii) बहुव्रीहि (iv) तत्पुरुषः

18. (क) किसी एक पद का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए: **2**

(i) परोपकारः

(ii) उच्चारणम्।

(ख) गङ्गोदकम्" का सन्धि-विच्छेद है **1**

(i) गङ्गो + दकम्

(ii) गङ्ग + ओदकम्

(iii) गङ्गा + उदकम्।

19. (क) "गुरुभ्यः" पद "गुरु" शब्द के किस विभक्ति और वचन का रूप है? **2**

(i) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (ii) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(iii) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन (iv) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन।

(ख) "दधि" शब्द का "पञ्चमी एकवचन" में रूप होता है **1**

(i) दधिनी (ii) दध्नः

(iii) दध्ना (iv) दध्ने।

20. (क) "अपठत्" पद "पठ्" धातु के किस लकार, पुरुष और वचन का है? **2**

(ख) स्था" धातु का लोट्लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन के रूप होता है **1**

(i) तिष्ठाम् (iii) तिष्ठतम्

(ii) तिष्ठतम् (iv) तिष्ठेतम्

21. (क) "पठनीयम्" पद में प्रकृति प्रत्यय है **1**

(i) पठ् + अनीयर् (ii) पठ् + तुमुन्

(iii) पठ् + शतृ (iv) पठ् + त्वयत्।

(ख) दा" धातु में क्त्वा प्रत्यय लगाने पर रूप होता है **1**

(i) दत्वा (ii) दित्वा

(ii) दोत्वा (iv) दृत्वा

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक का वाच्य-परिवर्तन कीजिए: **2**

(i) अहं पुस्तकं पठामि।

(ii) मया जलं पीयते।

(iii) मोहनः ग्रामं गच्छति।